

7/11/14 पं०॥ वली पत्र पुं० बार बार आवारा  
लागवारे गरु वीदी की तलकी जसिधे  
R.C की गरु आवजूद सुनना के  
नं तो वादी राजिर तथा न एरि  
वादी का एकीका राजिरा मार  
वात वादी रुदक राजिरा मरुद  
पेरवी के क्रवारिज विपा जातारु  
पं०॥ वली के अला मुकर है। 5/11/14

सहायक कलक्टर (फास्ट ट्रेक)  
बैतानगर (सीकर)